Five-day International Workshop on 'Research Writing and Publication'

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 29-11-2023**

शिक्षा

हकेंवि में अनुसंधान लेखन और प्रकाशन पर कार्यशाला का आयोजन

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में पांच देशों के 110 प्रतिभागी हुए शामिल

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा ऑनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि देश में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपूर्ण है और यह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। स्रोत: विवि

कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था।

देश में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता : प्रो. टंकेश्वर

उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता के लिए पांच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हुए। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कार्यशाला में 9 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे जो शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं के प्रधान संपादक (ईआईसी) हैं। इनमें प्रो. रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च शामिल हैं।

प्रो. गिआम्पोलो विगिलिया, पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन, प्रो. अरविंद रंगास्वामी, पेन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग, प्रो. क्लियोपेट्रा वेलोत्सु, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, जर्नल ऑफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट, प्रो. बाबू जॉन मारियाडोस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस और प्लानिंग, प्रो. जस्टिन पॉल, प्यूर्टो रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज, प्रो. गैरी सीएमपीबेल, मिशिगन टेक्निकल यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति, प्रो. पीके कन्ना, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए और एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ मार्केटिंग और प्रो. गोपाल दास, आईआईएम बैंगलोर, भारत और एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग शामिल हुए।

कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. सुमन और डॉ. अमित कुमार ने विभिन्न सत्रों का समन्वय किया और उन्होंने कहा कि शोध करिअर की दिशा में पहला कदम शोध के शुरुआती बिंदु को जानना है। कार्यशाला में सम्मिलित वक्ताओं ने अपने संबोधन में प्रस्तुति के बजाय वास्तविक जीवन के अनुभवों को साझा किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 29-11-2023**

ऑनलाइन कार्यशाला • 'अनुसंधान लेखन व प्रकाशन' विषय पर विशेषज्ञों ने रखे विचार

जानेमाने विशेषज्ञों ने शोध के प्रकार व साहित्य समीक्षा लेखन की बारीकियों पर डाला प्रकाश

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेवि के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज की ओर से ऑनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपूर्ण हैं और यह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे।

कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता के लिए पांच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हुए। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कार्यशाला में 9 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे, जिसमें प्रोफेसर रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नकल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च शामिल हैं; प्रो. गिआम्पोलो विगिलिया, पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन; प्रोफेसर अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग; प्रोफेसर क्लियोपेट्रा वेलोत्सु, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, जर्नल ऑफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट; प्रोफेसर बाबू जॉन मारियाडोस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस और प्लानिंग; प्रोफेसर जस्टिन पॉल, प्यूर्टो रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज; प्रो. गैरी सीएमपीबेल, मिशिगन टेक्निकल यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति; प्रो. पी के कन्ना, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए और एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ मार्केटिंग और प्रोफेसर गोपाल दास, आईआईएम बेंगलुरु, भारत और एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग। इन सभी ने अलग-अलग विषयों पर विचार-विमर्श किया, जैसे 'स्तरीय पत्रिकाओं में कैसे प्रकाशित करें', 'शोध के विभिन्न प्रकार क्या हैं' और 'साहित्य समीक्षा कैसे लिखें'।

कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. सुमन और डॉ. अमित कुमार ने विभिन्न सत्रों का समन्वय किया और उन्होंने कहा कि शोध करियर की दिशा में पहला कदम शोध के शुरुआती बिंदु को जानना है। तत्पश्चात यह लक्षित किया जाना चाहिए कि किस प्रकार के शोध लेख मौजूद हैं। कार्यशाला में सम्मिलित वक्ताओं ने अपने संबोधन में प्रस्तुति के बजाय वास्तविक जीवन के अनुभवों को साझा किया तथा वक्ताओं ने इस आयोजन के लिए समूची आयोजन समिति को बधाई दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 29-11-2023**

भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की जरूरी: टंकेश्वर

- अनुसंधान लेखन और प्रकाशन पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित
- प्रतिभागिता के लिए पांच देशों के 110 ने पंजीकरण कराया

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल आफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा आनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपूर्ण है और यह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था।

उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता के लिए पांच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हुए। कार्यशाला के संयोजक डा. अजय कुमार ने कहा कि कार्यशाला में 09 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे, जो शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं के प्रधान संपादक (ईआइसी) हैं। जिसमें प्रोफेसर रेबेका हेमिल्टन, जार्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नाकल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च शामिल हैं। प्रो. गिआम्पोलो विगिलिया, पोट्सॅमाउथ विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआइसी, मनोविज्ञान और विपणन, प्रोफेसर अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआइसी जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग, प्रोफेसर क्लियोपेट्रा वेलोत्सु, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआइसी, जर्नल आफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट, प्रोफेसर बाबू जान मारियाडोस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी और ईआइसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस और प्लानिंग, प्रोफेसर जस्टिन पाल, प्यूर्टो रिको विश्वविद्यालय, भारत और एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग। इन सभी ने अलग-अलग विषयों पर विचार-विमर्श किया, जैसे 'स्तरीय पत्रिकाओं में कैसे प्रकाशित करें', 'शोध के विभिन्न प्रकार क्या हैं' और 'साहित्य समीक्षा कैसे लिखें'।

कार्यशाला के आयोजन सचिव डा. सुमन और डा. अमित कुमार ने विभिन्न सत्रों का समन्वय किया और उन्होंने कहा कि शोध करियर की दिशा में पहला कदम शोध के शुरुआती बिंदु को जानना है। तत्पश्चात यह लक्षित किया जाना चाहिए कि किस प्रकार के शोध लेख मौजूद हैं। कार्यशाला में सम्मिलित वक्ताओं ने अपने संबोधन में प्रस्तुति के बजाय वास्तविक जीवन के अनुभवों को साझा किया तथा वक्ताओं ने इस आयोजन के लिए समूची आयोजन समिति को बधाई दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Ranghosh **Date: 29-11-2023**

हकेवि में अनुसंधान लेखन और प्रकाशन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा ऑनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पाँच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपूर्ण है और यह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे।

कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता हेतु पाँच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हुए। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कार्यशाला में 09 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे जो शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं के प्रधान संपादक (ईआईसी) हैं। जिसमें प्रोफेसर रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नाकल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च शामिल हैं; प्रो. गिआम्पोलो विगिलिया, पोट्सडमाउथ विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन; प्रोफेसर अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग; प्रोफेसर क्लियोपेट्रा वेलोत्सु, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, जर्नल ऑफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट; प्रोफेसर बाबू जॉन मारियाडोस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस और प्लानिंग; प्रोफेसर जस्टिन पॉल, प्यूर्टो रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज; प्रो. गैरी सीएमपीबेल, मिशिगन टेक्निकल यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति; प्रोफेसर पी के कन्ना, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए और एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ मार्केटिंग और प्रोफेसर गोपाल दास, आईआईएम बैंगलोर, भारत और एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग। इन सभी ने अलग-अलग विषयों पर विचार-विमर्श किया, जैसे 'स्तरीय पत्रिकाओं में कैसे प्रकाशित करें', 'शोध के विभिन्न प्रकार क्या हैं' और 'साहित्य समीक्षा कैसे लिखें'।

कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. सुमन और डॉ. अमित कुमार ने विभिन्न सत्रों का समन्वय किया और उन्होंने कहा कि शोध करियर की दिशा में पहला कदम शोध के शुरुआती बिंदु को जानना है। तत्पश्चात यह लक्षित किया जाना चाहिए कि किस प्रकार के शोध लेख मौजूद हैं। कार्यशाला में सम्मिलित वक्ताओं ने अपने संबोधन में प्रस्तुति के बजाय वास्तविक जीवन के अनुभवों को साझा किया तथा वक्ताओं ने इस आयोजन के लिए समूची आयोजन समिति को बधाई दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 29-11-2023**

हकेवि में अनुसंधान लेखन और प्रकाशन पर कार्यशाला

महेंद्रगढ़, 28 नवंबर (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा ऑनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपूर्ण है और यह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे।

कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता हेतु पांच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हुए।

दैनिक ट्रिब्यून Wed http

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 29-11-2023**

कार्यशाला में पांच देशों के 110 प्रतिभागी हुए सम्मिलित

अनुसंधान लेखन व प्रकाशन पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला

■ हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा ऑनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्वपूर्ण है और यह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे। कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता हेतु पांच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हुए। कार्यशाला संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि 09 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे जो शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं के प्रधान संपादक (ईआईसी) हैं। जिसमें प्रोफेसर रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नाकल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च शामिल हैं; प्रो. गिआम्पोलो विगिलिया, पोर्ट्समाउथ विवि, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन; प्रो अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग; प्रो क्लियोपेट्रा वेलोत्सु, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, जर्नल ऑफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट; प्रोफेसर बाबू जॉन मारियाडोस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस और प्लानिंग; प्रो जस्टिन पॉल, प्यूटारे रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज; प्रो. गैरी सीएमपीबेल, मिशिगन टेक्निकल यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति; प्रो पीके कन्ना, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए और एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ मार्केटिंग और प्रो गोपाल दास, आईआईएम बैंगलोर, भारत और एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग। इन सभी ने अलग-अलग विषयों पर विचार-विमर्श किया।

महेंद्रगढ़। पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में विमर्श करते विशेषज्ञ।

अनुभवों को साझा किया

कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. सुमन और डॉ. अमित कुमार ने विभिन्न सत्रों का समन्वय किया और उन्होंने कहा कि शोध करियर की दिशा में पहला कदम शोध के शुरुआती बिंदु को जानना है। तत्पश्चात यह लक्षित किया जाना चाहिए कि किस प्रकार के शोध लेख मौजूद हैं। कार्यशाला में सम्मिलित वक्ताओं ने अपने संबोधन में प्रस्तुति के बजाय वास्तविक जीवन के अनुभवों को साझा किया तथा वक्ताओं ने आयोजन के लिए समूची आयोजन समिति को बधाई दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 29-11-2023**

अनुसंधान लेखन और प्रकाशन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

नारनौल 28 नवम्बर (विजय कौशिक) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा ऑनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पाँच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपूर्ण है और यह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे। कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता हेतु पाँच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हुए। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि काकौशिक) ला में 09 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे जो शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं के प्रधान संपादक (ईआईसी) हैं। जिसमें प्रोफेसर रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नाकल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च शामिल हैं; प्रो. गिआम्पोलो विगिलिया, पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन; प्रोफेसर अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग; प्रोफेसर क्लियोपेट्रा वेलोत्सु, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, जर्नल ऑफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट; प्रोफेसर बाबू जॉन मारियाडोस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस और प्लानिंग; प्रोफेसर जस्टिन पॉल, प्यूर्टो रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज; प्रो. गैरी सीएमपीबेल, मिशिगन टेक्निकल यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति; प्रोफेसर पी के कन्ना, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए और एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ मार्केटिंग और प्रोफेसर गोपाल दास, आईआईएम बैंगलोर, भारत और एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग। इन सभी ने अलग-अलग विषयों पर विचार-विमर्श किया, जैसे 'स्तरीय पत्रिकाओं में कैसे प्रकाशित करें।

नवोदय टाइम्स Wed, 29 November 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/74000272

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 29-11-2023**

हकेवि में अनुसंधान लेखन और प्रकाशन पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा ऑनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपूर्ण है और वह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे। कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता हेतु पांच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हुए। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कार्यशाला में 09 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे जो शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं के प्रधान संपादक (ईआईसी) हैं। जिसमें प्रोफेसर रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च शामिल हैं; प्रो. गिआम्पोलो विगिलिया, पोट्सडाथ विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन; प्रोफेसर अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग; प्रोफेसर क्लियोपेट्रा वेलोत्सु, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, जर्नल ऑफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट; प्रोफेसर बाबू जॉन मारियाडोस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस और प्लानिंग; प्रोफेसर जस्टिन पॉल, प्यूर्टो रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज; प्रो. गैरी सीएमपीबेल, मिशिगन टेक्निकल यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति; प्रोफेसर पी के कन्ना, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए और एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ मार्केटिंग और प्रोफेसर गोपाल दास, आईआईएम बैंगलोर, भारत और एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग।

इन सभी ने अलग-अलग विषयों पर विचार-विमर्श किया, जैसे स्तरीय पत्रिकाओं में कैसे प्रकाशित करें शोध के विभिन्न प्रकार क्या हैं। और साहित्य समीक्षा कैसे लिखें।

कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. सुमन और डॉ. अमित कुमार ने विभिन्न सत्रों का समन्वय किया और उन्होंने कहा कि शोध करियर की दिशा में पहला कदम शोध के शुरूआती बिंदु को जानना है। तत्पश्चात यह लक्षित किया जाना चाहिए कि किस प्रकार के शोध लेख मौजूद हैं। कार्यशाला में सम्मिलित वक्ताओं ने अपने संबोधन में प्रस्तुति के बजाय वास्तविक जीवन के अनुभवों को साझा किया तथा वक्ताओं ने इस आयोजन के लिए समूची आयोजन समिति को बधाई दी।